**NEWS CLIPPING: 11.01.2021**

## HINDUSTAN

जेसी बोस प्रौद्योगिकी एवं तकनीक विश्वविद्यालय में 14 और 15 जनवरी को ई-राष्ट्रीय सेमिनार होगा

# पर्यावरण संरक्षण पर विशेषज्ञ रखेंगे राय

**सेमिनार**

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

विकास की दौड़ में पर्यावरण संरक्षण चुनौती बना है। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण और नागरीय अभियांत्रिकी विषय पर जेसी बोस प्रौद्योगिकी एवं तकनीक विश्वविद्यालय में दो दिवसीय ई-राष्ट्रीय सेमिनार होगा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार की अध्यक्षता में 14 और 15 जनवरी को होने वाले इस राष्ट्रीय सेमिनार में इस चुनौती पर देश भर के विशेषज्ञ एक बार फिर से मंथन करेंगे।

उद्घाटन सत्र में विज्ञान एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद, राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के विशेषज्ञ अपने समाधान रखेंगे। जेसी बोस प्रौद्योगिकी एवं तकनीक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एमएल अग्रवाल, डॉ. रेणुका गुप्ता, डॉ. सोमवीर बाजड़ और डॉ. विशाल पुरी आदि की टीमें इसकी तैयारी में जुटी हैं। विवि के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार बताते हैं कि सिविल इंजीनियरिंग एवं पर्यावरण विज्ञान आधुनिक समाज के सतत विकास को संचालित करने वाले महत्वपूर्ण विषय है। बीते वर्षों में पर्यावरणीय तत्वों का अत्याधिक दोहन किए जाने से समस्याएं पैदा हुई हैं। अब चूंकि विकास एक सतत प्रक्रिया है। जिसे विकासशील देश होने के कारण रोका नहीं जा सकता है। लेकिन भविष्य की जटिलताओं के मद्देनजर मंथन आवश्यक है, ताकि प्राकृतिक संसधानों का उपयोग आर्थिक विकास और पर्यावरण सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके।

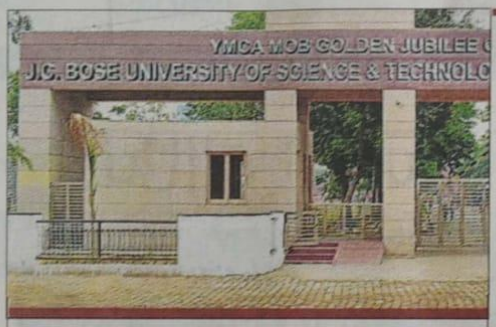

जेसी बोस प्रौद्योगिकी एवं तकनीक विश्वविद्यालय ● फाइल फोटो

### 80 से अधिक शोध प्रपत्र प्राप्त हुए हैं

कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर रेणुका गुप्ता ने बताया कि हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, नई दिल्ली, चंडीगढ़, जम्मू और कश्मीर सहित करीब दस विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से करीब 80 से अधिक शोध पत्र अभी तक प्राप्त हो चुके हैं। जो नवीन अनुसंधान और विचारों को शामिल करते हुए निर्माण क्षेत्र, ऊर्जा दक्षता को परिणीत करते हैं। इसमें कई शोध पत्र प्रदूषण नियंत्रण, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, नैनो तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कोविड-19 काल के दौरान पर्यावरण पर आने वाली चुनौतियों से संबंधित पाए गए हैं। शोध पत्र सात विभिन्न विषयों और उनके उपविषयों पर मांगे गए थे। ऊर्जा दक्षता और संरक्षण, आपदा प्रबंधन और शमन, प्रदूषण संरक्षण और नियंत्रण, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के लिए अनुसंधान, कोविड-19 महामारी के दौरान नागरिक और पर्यावरण क्षेत्र में नई चुनौतियां, कम्यूकेशनल तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आदि विषयों पर शोध प्रपत्र प्राप्त हो रहे हैं।

### देश के विभिन्न संस्थानों से जूम के जरिए जुड़ेंगे करीब 125 विशेषज्ञ

जूम के माध्यम से देश के विभिन्न संस्थानों से करीब 125 विशेषज्ञ एक साथ इस राष्ट्रीय ई-सेमिनार में जुड़ेंगे। इसके अलावा इस सेमिनार में विभिन्न तकनीकी और शैक्षणिक संस्थानों के छात्र और शिक्षकों के अलावा औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधि में जुड़ सकेंगे। इस सम्मेलन का उद्देश्य प्राथमिक लक्ष्य पर्यावरण विज्ञान और नागरीय आभियांत्रिकी क्षेत्र में अनुसंधान और विकासात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देना है। सम्मेलन सिविल इंजीनियरिंग और पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्रों में हाल के नवाचारों और विकास पर हुए अनुसंधानों को एक साझा मंच देगा। विशेषज्ञ अपने अनुसंधानिक अनुभवों का आदान प्रदान करेंगे। ऐसे में यह शोध छात्रों के लिए विशेष महत्वपूर्ण होगा। इसमें शिक्षाविद, वैज्ञानिक, शोधकर्ताओं और युवाओं को एक साथ होने का मौका मिलेगा।

### ई-सेमिनार में ये विशेषज्ञ करेंगे शिरकत

प्रो. दिनेश कुमार, प्रो.केएन. झा, प्रदीप मित्तल, बीआर.चौहान, प्रो.सतीश चंद्र गड़कोटी, डॉ.एस गोयल,डॉ. सुरेश के पुरी, दीपक पठानिया, प्रो डॉ.अंकुर मित्तल, प्रो.एनसी गुप्ता, प्रो. प्रवीन अग्रवाल, प्रो दीपक पंत, प्रो .आरके गर्ग आदि जो सिविल इंजीनियरिंग और पर्यावरण विज्ञान के एकीकरण विषय के रूप में इस सम्मेलन व्याख्यान करेंगे।

दो दिवसीय ई-राष्ट्रीय सेमिनार आवश्यकतापूर्ण विषय पर 14 और 15 जनवरी को होगा। इसमें मंथन के बाद उम्मीद की जानी चाहिए कि पर्यावरण के मद्देनजर कुछ नया करने की प्रेरणा मिलेगी।

प्रो. दिनेश कुमार, कुलपति, जेसीबोस विश्वविद्यालय